मेवाड़ विश्वविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन

कृत्रिम बुद्धिमत्ता जल संरक्षण आदि विषयों पर हुआ मंथन

▪ दास्ताने भीलवाड़ा @ चित्तौड़गढ़

कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव जीवन को आसान बनाने के लिये बेहद अभूतपूर्व खोज है। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय 'इन्टरनेशनल कान्फ्रेन्स ऑन इनोवेशन एण्ड एडवान्सेज इन इन्टरडिसीप्लीनरी रिसर्च' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के पहले दिन उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि ग्रिफिथ विश्वविद्यालय ऑस्ट्रेलिया के प्रो. अब्दुल सत्तार ने कही। उन्होने आगे आर्टिफिशियल इन्टेलिजेन्सी तकनीक के भविष्य पर अपनी बात रखते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्सी तकनीक प्रदूषण, जल की गुणवत्ता, प्रेसिजन फार्मिंग, फूड सिक्योरिटी, डिजास्टर मैनेजमेन्ट, पर्यावरण सन्तुलन आदि क्षेत्रों में बेहद कारगर एवं प्रभावी साबित होगी। साउथ ईस्ट विश्वविद्यालय चाईना के प्रो. राजेन्द्र प्रसाद सिंह ने चाईना के डेल्टा रिजन की नदी यांगजी पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने मेवाड़ विश्वविद्यालय की भावी योजनाओं के बारे में बात करते हुए कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय अन्तरविषयी एवं बहुविषयी शोध को बढ़ावा देने के लिये हर सुविधाओं के लिये तैयार है। उन्होने आगे कहा कि शोध का अनन्तिम लक्ष्य मानव हित होना चाहिए। कुलपति प्रो. आलोक मिश्रा ने कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय अन्तरविषयी शोध के महत्व को समझते हुऐ पहले से ही राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बहुविषयी शोध कार्य कर रहा है। कान्फ्रेन्स वर्ल्ड की सदस्या रेषु गुप्ता ने शोधार्थियों को अन्तरविषयी शोध के लिये प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ. गुलजार अहमद, डॉ. अतुल शर्मा, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय, डॉ. नीलू जैन, नूरा याकूबू और लोन फैसल द्वारा सम्पादित अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी की कॉन्फ्रेन्स प्रोसिडिंग का अनावरण भी किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के ज्वाइंट सेक्रेटरी डॉ. गुलजार अहमद ने बताया कि पहले दिन तीन तकनीकी सत्रों में मेवाड़ अंतराष्ट्रीय विश्वविद्यालय नाईजीरिया के कुलपति प्रो. मुहम्मद टंको ने, डॉ. सुचिस्मिता पाठक और प्रो. बाबयो मुहम्मद टुकुर ने भी अपने विचार रखें। स्वागत भाषण संयोजक नूरा याकुबू ने किया। संचालन नुहू बॉबी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन सहसंयोजक लोन फैसल ने किया। प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. आर राजा, दूसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. हरि सिंह चैहान तथा तीसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. सोनिया सिंगला ने की। इन सत्रों में डॉ. सरिता शर्मा, डॉ. मनोज लाखन डॉ. रामगोपाल धाकड़, दीपक जोषी, मीर महरीना, असमता जान, डॉ. डीके वर्मा, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय, डॉ. अमित कुमार शर्मा, डॉ. शुभदा पाण्डेय, अभिषेक उपाध्याय, रितेष ओझा, कोमल यादव आदि ने शोध-पत्र प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वन्दना, कुलगीत तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। इस अवसर पर ओएसडी एच. विधानी, उपकुलपति दीप्ती शास्त्री, डायरेक्टर हरिश गुरनानी, प्रो. चित्रलेखा सिंह, प्रो. येम्मानुर सुदर्शन, डॉ. आर.एस. राणा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन

संगोष्ठी के पहले दिन कृत्रिम बुद्धिमत्ता जल संरक्षण आदि विषयों पर हुआ मन्थन

अन्तरविषयी शोध को बढ़ावा देने के लिए आयोजित संगोष्ठी में देश-विदेश के 40 से भी अधिक शोधार्थी ले रहे हैं भाग

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़ कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव जीवन को आसान बनाने के लिये बेहद अभूतपूर्व खोज है। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय 'इन्टरनेशनल कांन्फ्रेन्स ऑन इनोवेशन एण्ड एडवान्सेज इन इन्टरडिसीप्लीनरी रिसर्च' विषयक अर्न्तराष्ट्रीय संगोष्ठी के पहले दिन उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि ग्रिफिथ विश्वविद्यालय ऑस्ट्रेलिया के प्रो. अब्दुल सत्तार ने कही। उन्होने आगे आर्टिफिशियल इन्टेलिजेन्सी तकनीक के भविष्य पर अपनी बात रखते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्सी तकनीक प्रदूषण, जल की गुणवत्ता, प्रेसिजन फार्मिंग, फूड सिक्योरिटी, डिजास्टर मैनेजमेन्ट, पर्यावरण सन्तुलन आदि क्षेत्रों में बेहद कारगर एवं प्रभावी साबित होगी। साउथ ईस्ट विश्वविद्यालय चाईना के प्रो. राजेन्द्र प्रसाद सिंह ने चाईना के डेल्टा रिजन की नदी यांगजी पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने मेवाड़ विश्वविद्यालय की भावी योजनाओं के बारे में बात करते हुए कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय अन्तरविषयी एवं बहुविषयी शोध को बढ़ावा देने के लिये हर सुविधाओं के लिये तैयार है। उन्होने आगे कहा कि शोध का अनन्तिम लक्ष्य मानव हित होना चाहिए। कुलपति प्रो. आलोक मिश्रा ने कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय अन्तरविषयी शोध के महत्व को समझते हुऐ पहले से ही राष्ट्रीय और अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर बहुविषयी शोध कार्य कर रहा है। विषय की प्रतिस्थापना करते हुए प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने शोध को मानव जीवन का अभिन्न अंग बताते हुए कहा कि शोध व्यक्ति को परिष्कृत करता है, दुनिया को बेहतर बनाता है। इसीलिये शोध में लगन का होना बेहद जरूरी है। कान्फ्रेन्स वर्ल्ड की सदस्या रेषु गुप्ता ने शोधार्थियों को अन्तरविषयी शोध के लिये प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ. गुलजार अहमद, डॉ. अतुल शर्मा, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय, डॉ. नीलू जैन, नूरा याकूबू और लोन फैसल द्वारा सम्पादित अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी की कॉन्फ्रेन्स प्रोसिडिंग का अनावरण भी किया गया। अन्तराष्ट्रीय संगोष्ठी के ज्वाइंट सेक्रेटरी डॉ. गुलजार अहमद ने बताया कि पहले दिन तीन तकनीकी सत्रों में मेवाड़ अंतराष्ट्रीय विश्वविद्यालय नाईजीरिया के कुलपति प्रो. मुहम्मद टंको ने, डॉ. सुचिस्मिता पाठक और प्रो. बाबयो मुहम्मद टुकुर ने भी अपने विचार रखें। स्वागत भाषण संयोजक नूरा याकुबू ने किया। संचालन नुह बाँबी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन सहसंयोजक लोन फैसल ने किया। प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. आर राजा, दूसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. हरि सिंह चैहान तथा तीसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. सोनिया सिंगला ने की। इन सत्रों में डॉ. सस्ति शर्मा, डॉ. मनोज लखन डॉ. रामगोपाल धाकड़, दीपक जोषी, मीर महरीना, अस्मता जान, डॉ. डीके वर्मा, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय, डॉ. अमित कुमार शर्मा, डॉ. शुभदा पाण्डेय, अभिषेक उपाध्याय, रितेश ओझा, कोमल यादव आदि ने शोध-पत्र प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वन्दना, कुलगीत तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। इस अवसर पर ओएसडी एच. विधानी, उपकुलपति दीप्ती शास्त्री, डायरेक्टर हरिश गुरनानी, प्रो. चित्रलेखा सिंह, प्रो. येम्मानुर सुदर्शन, डॉ. आर.एस. रणा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन

संगोष्ठी के पहले दिन कृत्रिम बुद्धिमत्ता जल संरक्षण आदि विषयों पर हुआ मन्थन, अन्तरविषयी शोध को बढ़ावा देने के लिए आयोजित संगोष्ठी में देश-विदेश के 40 से भी अधिक शोधार्थी ले रहे हैं भाग

न्यूज ज्योति

चित्तौड़गढ़। कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव जीवन को आसान बनाने के लिये बेहद अभूतपूर्व खोज है। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय 'इन्टरनेशनल कांन्फ्रेन्स ऑन इनोवेशन एण्ड एडवान्सेज इन इन्टरडिसीप्लीनरी रिसर्च' विषयक अर्न्तराष्ट्रीय संगोष्ठी के पहले दिन उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि ग्रिफिथ विश्वविद्यालय ऑस्ट्रेलिया के प्रो. अब्दुल सत्तार ने कही। उन्होने आगे आर्टिफिशियल इन्टेलिजेन्सी तकनीक के भविष्य पर अपनी बात रखते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्सी तकनीक प्रदूषण, जल की गुणवत्ता, प्रेसिजन फार्मिंग, फूड सिक्योरिटी, डिजास्टर मैनेजमेन्ट, पर्यावरण सन्तुलन आदि क्षेत्रों में बेहद कारगर एवं प्रभावी साबित होगी। साउथ ईस्ट विश्वविद्यालय चाईना के प्रो. राजेन्द्र प्रसाद सिंह ने चाईना के डेल्टा रिजन की नदी यांगजी पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने मेवाड़ विश्वविद्यालय की भावी योजनाओं के बारे में बात करते हुए कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय अन्तरविषयी एवं बहुविषयी शोध को बढ़ावा देने के लिये हर सुविधाओं के लिये तैयार है। उन्होने आगे कहा कि शोध का अनन्तिम लक्ष्य मानव हित होना चाहिए। कुलपति प्रो. आलोक मिश्रा ने कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय अन्तरविषयी शोध के महत्व को समझते हुऐ पहले से ही राष्ट्रीय और अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर बहुविषयी शोध कार्य कर रहा है। विषय की प्रतिस्थापना करते हुए प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने शोध को मानव जीवन का अभिन्न अंग बताते हुए कहा कि शोध व्यक्ति को परिष्कृत करता है, दुनिया को बेहतर बनाता है। इसीलिये शोध में लगन का होना बेहद जरूरी है। कान्फ्रेन्स वर्ल्ड की सदस्या रेणु गुप्ता ने शोधार्थियों को अन्तरविषयी शोध के लिये प्रेरित किया।

इस अवसर पर डॉ. गुलजार अहमद, डॉ. अतुल शर्मा, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय, डॉ. नीलू जैन, नूरा याकूबू और लोन फैसल द्वारा सम्पादित अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी की कॉन्फ्रेन्स प्रोसिडिंग का अनावरण भी किया गया। अन्तराष्ट्रीय संगोष्ठी के ज्वाइंट सेक्रेटरी डॉ. गुलजार अहमद ने बताया कि पहले दिन तीन तकनीकी सत्रों में मेवाड़ अंतराष्ट्रीय विश्वविद्यालय नाईजीरिया के कुलपति प्रो. मुहम्मद टंको ने, डॉ. सुचिस्मिता पाठक और प्रो. बाबयो मुहम्मद टुकुर ने भी अपने विचार रखें। स्वागत भाषण संयोजक नूरा याकुबू ने किया। संचालन नुह बॉबी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन सहसंयोजक लोन फैसल ने किया। प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. आर राजा, दूसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. हरि सिंह चैहान तथा तीसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. सोनिया सिंगला ने की। इन सत्रों में डॉ. सरिता शर्मा, डॉ. मनोज लाखन डॉ. रामगोपाल धाकड़, दीपक जोषी, मीर महरीना, असमता जान, डॉ. डीके वर्मा, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय, डॉ. अमित कुमार शर्मा, डॉ. शुभदा पाण्डेय, अभिषेक उपाध्याय, रितेश ओझा, कोमल यादव आदि ने शोध-पत्र प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वन्दना, कुलगीत तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। इस अवसर पर ओएसडी एच. विधानी, उपकुलपति दीप्ती शास्त्री, डायरेक्टर हरिश गुरनानी, प्रो. चित्रलेखा सिंह, प्रो. येम्मानुर सुदर्शन, डॉ. आर.एस. रणा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पहले दिन कृत्रिम बुद्धिमत्ता जल संरक्षण पर हुआ मन्थन

मेवाड़ विश्वविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन

गंगरार, 28 नवम्बर (जसं.)। कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव जीवन को आसान बनाने के लिये बेहद अभूतपूर्व खोज है।

उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय में 'इन्टरनेशनल कांफ्रेंन्स ऑन इनोवेशन एण्ड एडवान्सेज इन इन्टरडिसीप्लीनरी रिसर्च विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के पहले दिन उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि ग्रिफिथ विश्वविद्यालय ऑस्ट्रेलिया के प्रो. अब्दुल सत्तार ने कही। उन्होने आगे आर्टिफिशियल इन्टेलिजेन्सी तकनीक के विषय पर अपनी बात रखते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्सी तकनीक प्रदूषण, जल की गुणवत्ता, प्रेसिजन फार्मिंग, फूड सिक्योरिटी, डिजास्टर मैनेजमेन्ट, पर्यावरण सन्तुलन आदि क्षेत्रों में बेहद कारगर एवं प्रभावी साबित होगी।

साउथ ईस्ट विश्वविद्यालय चाईना के प्रो. राजेन्द्र प्रसाद सिंह ने चाईना के डेल्टा रिजन की नदी यांगजी पर -शोध पत्र प्रस्तुत किया। कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने मेवाड़ विश्वविद्यालय की भावी योजनाओं के बारे में बात करते हुए कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय अन्तर्राष्ट्रीय एवं बहुविषयी शोध को बढ़ावा देने

के लिये हर सुविधाओं के लिये तैयार है। उन्होने आगे कहा कि शोध का अन्तिम लक्ष्य मानव हित होना चाहिए। कुलपति प्रो. आलोक मिश्रा ने कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय अर्न्तविषयी शोध के महत्व को समझाते हुऐ पहले से ही राष्ट्रीय और अर्न्तराष्ट्री स्तर पर बहुविषयी शोध कार्य कर रहा है। विषय की प्रतिस्थापना करते हुए प्रतिकुलपति आनन्दवर्द्धन शुक्ल ने -शोध को मानव जीवन का अभिन्न अंग बताते हुए कहा कि शोध व्यक्ति को परिष्कृत करता है, दुनिया को बेहतर बनाता है। इसीलिये शोध में लगन का होना बेहद जरूरी है। कार्फ्रेन्स वर्ल्ड की सदस्या रेशु गुप्ता ने शोधार्थियों को अर्न्तविषयी शोध के लिये प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ. गुलजार अहमद, डॉ. अतुल शर्मा, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय, डॉ. नीलू जैन, नूरा याकूबू और लोन फैसल द्वारा सम्पादित अर्न्तराष्ट्रीय संगोष्ठी की कॉन्फ्रेन्स प्रोसिडिंग का अनावरण भी किया गया। अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के ज्वाइंट सेकेट्री डॉ. गुलजार अहमद ने बताया कि पहले दिन तीन तकनीकी सत्रों में मेवाड़ अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय नाईजीरिया के कुलपति प्रो. मुहम्मद टंको, डॉ. सुचिस्मिता पाठक और प्रो. बाबयो मुहम्मद टुकुर ने भी अपने विचार रखे। स्वागत भाषण संयोजक नूरा याकुबू ने दिया।

संचालन नुहू बॉबी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन सहसंयोजक लोन फैसल ने किया। प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. आर राजा, दूसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. हरि सिंह चौहान तथा तीसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. सोनिया सिंगला ने की। इन सत्रों में डॉ. सरिता शर्मा, डॉ. मनोज लाखन डॉ. रामगोपाल धाकड़, दीपक जोषी, मीर महरीना, असमता जान, डॉ. डीके वर्मा, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय, डॉ. अमित कुमार शर्मा, डॉ. शुभदा पाण्डेय, अभिषेक उपाध्याय, रितेष ओझा, कोमल यादव आदि ने शोध-पत्र प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वन्दना, कुलगीत तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। इस अवसर पर ओएसडी एच. विधानी, उपकुलपति दीसी -शास्त्री, डायरेक्टर हरिश गुरनानी, प्रो. चित्रलेखा सिंह, प्रो. येम्मानुर सुदर्शन, डॉ. आर.एस. राणा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Jannayak 29-11-2022

मेवाड़ विवि में अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन

चित्तौड़गढ़। कृत्रिम बुद्धिमश्रा मानव जीवन को आसान बनाने के लिये बेहद अभूतपूर्व खोज है। उक्त विचार मेवाड़ विश्वविद्यालय में इन्टरनेशनल कांन्फ्रेन्स ऑन इनोवेशन एण्ड एडवान्सेज इन इन्टरडिसीप्लीनरी रिसर्च विषयक अर्न्तराष्ट्रीय संगोष्ठी के पहले दिन उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि ग्रिफिथ विश्वविद्यालय ऑस्टेऊलिया के प्रो. अब्दुल सश्रार ने कही। उन्होने कहा कि आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्सी तकनीक प्रदूषण, जल की गुणवश्रा, प्रेसिजन फार्मिंग, फूड सिक्योरिटी, डिजास्टर मैनेजमेन्ट, पर्यावरण सन्तुलन आदि क्षेत्रों में बेहद कारगर एवं प्रभावी साबित होगी। साउथ ईस्ट विश्वविद्यालय चाईना के प्रो. राजेन्द्र प्रसाद सिंह ने चाईना के डेल्टा रिजन की नदी यांगजी पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

चित्तोड़गढ़। कॉन्फ्रेन्स प्रोसिडिंग का अनावरण करते अतिथि। पीयूष

कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने विश्वविद्यालय की भावी योजनाओं के बारे में कहा कि मेवाड़ विष्वविद्यालय अन्तर विषयी एवं बहुविषयी शोध को बढ़ावा देने के लिये हर सुविधाओं के लिये तैयार है। कुलपति प्रो. आलोक मिश्रा ने कहा कि विश्वविद्यालय अर्न्तविषयी शोध के महत्व को समझते हुऐ पहले से ही राष्ट्रीय और अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर बहुविषयी शोध कार्य कर रहा है। प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने शोध को मानव जीवन का अभिन्न अंग बताते हुए कहा कि शोध व्यक्ति को परिष्कृत करता है, दुनिया को बेहतर बनाता है। रेणु गुप्ता ने शोधार्थियों को अर्न्तविषयी शोध के लिये प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ. गुलजार अहमद, डॉ. अतुल शर्मा, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय, डॉ. नीलू जैन, नूरा याकूबू और लोन फैसल द्वारा सम्पादित अर्न्तराष्ट्रीय संगोष्ठी की कॉन्फ्रेन्स प्रोसिडिंग का अनावरण भी किया गया।

Pratahkal 29-11-2022

मेवाड़ विश्वविद्यालय में अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन

अन्तरविषयी शोध को बढ़ावा देने के लिए आयोजित हो रहा है दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

देश-विदेश के 40 से भी अधिक शोधार्थी ले रहे हैं भाग

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़ अन्तरविषयी शोध को बढ़ावा देने के लिए मेवाड़ विश्वविद्यालय चित्तौड़गढ़ में 28 और 29 नवम्बर को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन होने जा रहा है। जिसमें देश-विदेश के 40 से भी अधिक शोधार्थी और विद्वान भाग लेंगे। इस अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन के संयोजक नूरा याकुबु और सह संयोजक फैसल लोन ने बताया कि नई शिक्षा नीति में अन्तरविषयी पाठ्यक्रम और शोध को बढ़ावा देने के लिये विभिन्न प्रावधान किये गये हैं। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि विभिन्न शैक्षणिक एवं शोध संस्थान इस तरह के विमर्श को केन्द्र में रखकर इस तरह के नवाचार प्रयास करें। जिससे कि शोधार्थी और विद्यार्थी लाभान्वित हो सकें। अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ0 गुलजार अहमद ने बताया कि अन्तरराष्ट्रीय जगत में अन्तरविषयी शोध को लेकर क्या नवाचार हो रहे हैं और इसे किस तरह बढ़ाया जाये, इसलिये यह सम्मेलन आयोजित किया गया है। डॉ0 गुलजार न बताया कि उद्घाटन समारोह में ग्रिफिथ विश्वविद्यालय ऑस्ट्रेलिया से प्रो0 अब्दुल सत्तार तथा साउथईस्ट विश्वविद्यालय नानजिंग चाईना से प्रो0 राजेंद्र प्रसाद मुख्य अतिथि एवं सारस्वत अतिथि के रूप में शिरकत कर रहे हैं। इसमें देश भर से तथा विदेशों से भी 40 से भी अधिक शोधार्थी एवं विद्यार्थी शोध-पत्र प्रस्तुत करेंगे और अपने विमर्श रखेंगे।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन

संगोष्ठी के पहले दिन कृत्रिम बुद्धिमत्ता जल संरक्षण आदि विषयों पर हुआ मंथन

अन्तरविषयी शोध को बढ़ावा देने के लिए आयोजित संगोष्ठी में देश-विदेश के 40 से भी अधिक शोधार्थी ले रहे हैं भाग

चमकता राजस्थान

चित्तौड़गढ़ (अमित कुमार चेचानी)। कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव जीवन को आसान बनाने के लिये बेहद अभूतपूर्व खोज है। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय 'इन्टरनेशनल कांन्फ्रेन्स ऑन इनोवेशन एण्ड एडवान्सेज इन इन्टरडिसीप्लीनरी रिसर्च' विषयक अर्न्तराष्ट्रीय संगोष्ठी के पहले दिन उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि ग्रिफिथ विश्वविद्यालय ऑस्ट्रेलिया के प्रो. अब्दुल सत्तार ने कही। उन्होने आगे आर्टिफिशियल इन्टेलिजेन्सी तकनीक के भविष्य पर अपनी बात रखते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्सी तकनीक प्रदूषण, जल की गुणवत्ता, प्रेसिजन फार्मिंग, फूड सिक्योरिटी, डिजास्टर मैनेजमेन्ट, पर्यावरण सन्तुलन आदि क्षेत्रों में बेहद कारगर एवं प्रभावी साबित होगी। साउथ ईस्ट विश्वविद्यालय चाईना के प्रो. राजेन्द्र प्रसाद सिंह ने चाईना के डेल्टा रिजन की नदी यांगजी पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने मेवाड़ विश्वविद्यालय की भावी योजनाओं के बारे में बात करते हुए कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय अन्तरविषयी एवं बहुविषयी शोध को बढ़ावा देने के लिये हर सुविधाओं के लिये तैयार है। उन्होने आगे कहा कि शोध का अनन्तिम लक्ष्य मानव हित होना चाहिए। कुलपति प्रो. आलोक मिश्रा ने कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय अन्तरविषयी शोध के महत्व को समझते हुऐ पहले से ही राष्ट्रीय और अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर बहुविषयी शोध कार्य कर रहा है। विषय की प्रतिस्थापना करते हुए प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने शोध को मानव जीवन का अभिन्न अंग बताते हुए कहा कि शोध व्यक्ति को परिष्कृत करता है, दुनिया को बेहतर बनाता है। इसीलिये शोध में लगन का होना बेहद जरूरी है।

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के ज्वाइंट सेक्रेटरी डॉ. गुलजार अहमद ने बताया कि पहले दिन तीन तकनीकी सत्रों में मेवाड़ अंतराष्ट्रीय विश्वविद्यालय नाईजीरिया के कुलपति प्रो. मुहम्मद टंको ने, डॉ. सुचिस्मिता पाठक और प्रो. बाबयो मुहम्मद टुकुर ने भी अपने विचार रखें। स्वागत भाषण संयोजक नूरा याकुबू ने किया। संचालन नुहू बॉबी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन सहसंयोजक लोन फैसल ने किया। प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. आर राजा, दूसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. हरि सिंह चैहान तथा तीसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. सोनिया सिंगला ने की।

इन सत्रों में डॉ. सरिता शर्मा, डॉ. मनोज लाखन डॉ. रामगोपाल धाकड़, दीपक जोशी, मोर महरीना, असमता जान, डॉ. डीके वर्मा, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय, डॉ. अमित कुमार शर्मा, डॉ. शुभदा पाण्डेय, अभिषेक उपाध्याय, रितेष ओझा, कोमल यादव आदि ने शोध-पत्र प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वन्दना, कुलगीत तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। इस अवसर पर ओएसडी एच. विधानी, उपकुलपति दीप्ती शास्त्री, डायरेक्टर हरिश गुरनानी, प्रो. चित्रलेखा सिंह, प्रो. येम्मानुर सुदर्शन, डॉ. आर.एस. राणा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन

अन्तरविषयी शोध को बढ़ावा देने के लिए आयोजित हो रहा है दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

देश-विदेश के 40 से भी अधिक शोधार्थी ले रहे हैं भाग

न्यूज ज्योति

चित्तौड़गढ़। अन्तरविषयी शोध को बढ़ावा देने के लिए मेवाड़ विश्वविद्यालय चित्तौड़गढ़ में 28 और 29 नवम्बर को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन होने जा रहा है। जिसमें देश-विदेश के 40 से भी अधिक शोधार्थी और विद्वान भाग लेंगे। इस अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन के संयोजक नूरा याकुबु और सह संयोजक फैसल लोन ने बताया कि नई शिक्षा नीति में अन्तरविषयी पाठ्यक्रम और शोध को बढ़ावा देने के लिये विभिन्न प्रावधान किये गये हैं। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि विभिन्न शैक्षणिक एवं शोध संस्थान इस तरह के विमर्श को केन्द्र में रखकर इस तरह के नवाचार प्रयास करें। जिससे कि शोधार्थी और विद्यार्थी लाभान्वित हो सकें। अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ0 गुलजार अहमद ने बताया कि अन्तरराष्ट्रीय जगत में अन्तरविषयी शोध को लेकर क्या नवाचार हो रहे हैं और इसे किस तरह बढ़ाया जाये, इसलिये यह सम्मेलन आयोजित किया गया है। डॉ0 गुलजार न बताया कि उद्घाटन समारोह में ग्रिफिथ विश्वविद्यालय ऑस्ट्रेलिया से प्रो0 अब्दुल सत्तार तथा साउथईस्ट विश्वविद्यालय नानजिंग चाईना से प्रो0 राजेंद्र प्रसाद मुख्य अतिथि एवं सारस्वत अतिथि के रूप में शिरकत कर रहे हैं। इसमें देश भर से तथा विदेशों से भी 40 से भी अधिक शोधार्थी एवं विद्यार्थी शोध-पत्र प्रस्तुत करेंगे और अपने विमर्श रखेंगे।